Skill Development Training Programme Report

Skill development training-programme on "B2A: Basic to Advanced Aquaculture Techniques" from **22–27 March 2026** organized by Division of Aquaculture, ICAR-CIFE, Mumbai

ICAR- Central Institute of Fisheries Education, Aquaculture Division, Mumbai, organized a 6 days Skill development Training-Programme on **"B2A: Basic to Advanced Aquaculture Techniques"** from **22–27 March 2026**. The program was organized under the supervision of Dr Debajit Sarma, Head of the Division. A total of 18 participants (16 Male and 2 Female) participated the event from across the country. The programme was designed to provide participants with a comprehensive understanding of the fundamental principles and practical aspects of Aquaculture. Theme of the training programme was to skilled and provide participants with practical exposure and comprehensive understanding of contemporary aquaculture practices, thereby preparing them to meet the emerging challenges and opportunities in the sector. The training covers key areas such as water quality management, seed production and nursery management, feed and feeding practices, health management, culture systems, and recent advances in aquaculture technologies.

The training program was co-ordinated by Dr. Madhuri Pathak, Dr. Thongam Ibemcha Chanu, Dr. Kapil Sukhdhane and Dr. Upasana Sahoo, Senior Scientist, ICAR-CIFE. The programme was initiated by inaugural programme and Dr. Madhuri Pathak, Senior Scientist detailed about the training followed by introduction of participants. The programme was inaugurated by Dr. N.P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai with opening remark on the importance of the SDP training programme and also interacted with the participant about the programme. Dr. Debajit Sarma, HOD, Aquaculture Division, briefed about the 6 days training programme schedule of both Theory and hands on Practical classes. A training manual on **B2A: Basic to Advanced Aquaculture Techniques** in English was released during the programme. The training program includes theory and practical classes and covers key areas such as aquaculture status in India, Shrimp farmimg, Important candidates species for aquaculture diversification, Site selection, overview on inland saline aquaculture, Breeding and seed production of Catfish (magur), water quality management, Live food, feed and feeding management, health management, Different Aquaculture systems (RAS, Aquaponics, Biofloc) Ornamental fish breeding, Pearl farming and recent advances in aquaculture technologies. The programme also included exposed to feed mill, Museum, Aquarium facilities and opportunities of being a incubatee and collaboration with CIFE -ABI unit. The program was ended with valedictory programme with Distribution of Certificates, Training manuals and feedback from trainee. The Valedictory programme was ended by closing remark from Dr. Debajit Sarma, HOD, Division of Aquaculture, ICAR –CIFE, Mumbai.

"बी2ए: बेसिक टू एडवांस्ड एक्वाकल्चर टेक्निक्स" विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)–केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई), मुंबई के जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) प्रभाग द्वारा 22–27 मार्च, 2026 के दौरान "बी2ए: बेसिक टू एडवांस्ड एक्वाकल्चर टेक्निक्स" विषय पर 6 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जलीय कृषि प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 18 प्रतिभागियों (16 पुरुष एवं 2 महिला) ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जलीय कृषि के मूलभूत सिद्धांतों एवं व्यावहारिक पहलुओं की व्यापक समझ प्रदान करना था। प्रशिक्षण का मुख्य विषय प्रतिभागियों को समकालीन जलीय कृषि पद्धतियों का व्यावहारिक अनुभव एवं समग्र ज्ञान प्रदान कर उन्हें इस क्षेत्र में उभरती चुनौतियों एवं अवसरों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण में जल गुणवत्ता प्रबंधन, बीज उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन, आहार एवं पोषण प्रबंधन, मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन, विभिन्न संवर्धन प्रणालियाँ तथा जलीय कृषि की नवीनतम तकनीकों जैसे प्रमुख विषयों को सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन आईसीएआर-सीआईएफई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. माधुरी पाठक, डॉ. थोंगाम इबेमचा चानू, डॉ. कपिल सुखधाने एवं डॉ. उपासना साहू द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ, जिसमें डॉ. माधुरी पाठक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी, जिसके पश्चात प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन संबोधन में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों के साथ संवाद भी किया। इसके पश्चात जलीय कृषि प्रभागाध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के छह दिवसीय विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर "बी2ए: बेसिक टू एडवांस्ड एक्वाकल्चर टेक्निक्स" विषय पर अंग्रेजी भाषा में तैयार प्रशिक्षण पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैद्धांतिक व्याख्यानों एवं व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से भारत में जलीय कृषि की वर्तमान स्थिति, झींगा (श्रिम्प) पालन, जलीय कृषि विविधीकरण हेतु महत्वपूर्ण प्रजातियाँ, स्थल चयन, अंतर्देशीय लवणीय जलीय कृषि का परिचय, कैटफिश (मागुर) का प्रजनन एवं बीज उत्पादन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, जीवित आहार (लाइव फूड), आहार एवं भोजन प्रबंधन, मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन, विभिन्न जलीय कृषि प्रणालियाँ (रीसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम–RAS, एक्वापोनिक्स एवं बायोफ्लॉक), अलंकरणीय (ऑर्नामेंटल) मछलियों का प्रजनन, मोती उत्पादन (पर्ल फार्मिंग) तथा जलीय कृषि की नवीनतम तकनीकों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को संस्थान के फीड मिल, संग्रहालय (म्यूज़ियम), एक्वेरियम सुविधाओं का अवलोकन कराया गया तथा एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन (CIFE-ABI) इकाई के माध्यम से इन्क्यूबेटी बनने एवं संस्थान के साथ सहयोग की संभावनाओं से भी अवगत कराया गया। समापन समारोह का समापन जलीय कृषि प्रभागाध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा के धन्यवाद एवं समापन उद्बोधन के साथ हुआ।

SKILL DEVELOPMENT PROGRAM
कौशल विकास कार्यक्रम
B2A: BASIC TO ADVANCED AQUACULTURE TECHNIQUES
बी 2 ए: बुनियाद से विकसित मत्स्य पालन की तकनीक पर कौशल विकास कार्यक्रम
22 to 27 June, 2024

SKILL DEVELOPMENT PROGRAM
कौशल विकास कार्यक्रम

SKILL DEVELOPMENT PROGRAM

जलकृषि में बीओफ्लॉक तकनीक क्यों आवश्यक है

OWQA

ICAR-CIFE
AQUARIUM